



Name : _____

Class : _____

भाववाचक संज्ञा (परिभाषा)

- जो संज्ञा शब्द किसी भावना, गुण, अवस्था, विचार या अनुभव को बताते हैं और जिन्हें देखा या छुआ नहीं जा सकता, उन्हें भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) कहते हैं।
- भाववाचक संज्ञा को केवल महसूस किया जा सकता है।

उदाहरण (Examples)

नीचे दी गई किसी भी वस्तु को आप छू नहीं सकते या देख नहीं सकते, यह केवल भाव प्रदर्शित करती है।

- | | | | |
|------------|-----------|------------|-----------|
| • खुशी | • साहस | • संवेदना | • परिश्रम |
| • दुख | • सुंदरता | • जिज्ञासा | • उदारता |
| • प्रेम | • बचपन | • निष्ठा | • दृढ़ता |
| • ईमानदारी | • मित्रता | • विवेक | • संतुलन |

उदाहरण वाक्य (Examples Sentence)

- | | |
|---|---|
| • कठिन समय में दृढ़ता व्यक्ति को आगे बढ़ाती है। | • कठिन मेहनत से सक्षमता बढ़ती है। |
| • सच्चे मित्रों के बीच विश्वसनीयता बनी रहती है। | • अच्छे संस्कारों से नैतिकता मजबूत होती है। |
| • बच्चों में सीखने की जिज्ञासा बहुत अधिक होती है। | • असफलता से अनुभवशीलता प्राप्त होती है। |
| • अच्छे निर्णय के लिए विवेकशीलता आवश्यक है। | • बच्चों में रचनात्मकता को बढ़ावा देना चाहिए। |
| • समाज में दूसरों के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए। | • जीवन में आशावाद बनाए रखना ज़रूरी है। |
| • लगातार प्रयास से निरंतरता विकसित होती है। | • कठिन हालात में आत्मनियंत्रण बहुत काम आता है। |
| • उसके व्यवहार में सरलता साफ़ दिखाई देती है। | • अच्छे कर्मों से पुण्यबोध उत्पन्न होता है। |
| • जीवन में संतुलन बनाए रखना ज़रूरी है। | • टीमवर्क से सहयोगिता बढ़ती है। |
| • बड़ों के प्रति सम्मानभाव रखना चाहिए। | • उसके स्वभाव में सहनुभूति झलकती है। |
| • सही मार्ग पर चलने से आत्मसंतोष मिलता है। | • लक्ष्य प्राप्ति के लिए लगनशीलता ज़रूरी है। |
| • सच्चे प्रयास से उपलब्धि प्राप्त होती है। | • समाज में समानता बनाए रखना आवश्यक है। |
| • उसके शब्दों में स्पष्टता थी। | • कठिन परीक्षा में धैर्यशीलता की आवश्यकता होती है। |
| • समय के साथ परिपक्वता आती है। | • बच्चों में जिम्मेदारीबोध सिखाना चाहिए। |
| | • अच्छे विचारों से सकारात्मकता बढ़ती है। |